तुम्हारी फितरत है श्याम ऐसी की दीन दुर्बल के काम आना

तुम्हारी फितरत है श्याम ऐसी,
की दीन दुर्बल के काम आना,
दु:खों से लड़कर जो गिर पड़े है,
सहारा देकर उन्हें उठाना,
तुम्हारी फितरत हैं श्याम ऐसी,
की दीन दुर्बल के काम आना।bd।

तर्ज – तुम्हारी नज़रों ने।

कभी ना सुख की ही सांस ली है,
दबे रहे जो गमो के नीचे,
तुम ऐसे होठो को फिर खुशी दो,
जो भूल बैठे है मुस्कुराना,
तुम्हारी फितरत हैं श्याम ऐसी,
की दीन दुर्बल के काम आना।bd।

पढ़े है मंदिर शिवालय सूने,
बसे हो तुम बेकसों के दिल में,
किसी किसी को ही बस खबर है,
जहाँ तुम्हारा है ये ठिकाना,
तुम्हारी फितरत हैं श्याम ऐसी,
की दीन दुर्बल के काम आना।bd।

हो लाख दुश्मन ये वक़्त उसका,
या गर्दिशो के पहाड़ टूटे,
तू खुद ही जिसकी करे हिफाजत,
नहीं है मुमकीन उसे मिटाना,
Bhajan Diary Lyrics,
तुम्हारी फितरत हैं श्याम ऐसी,
की दीन दुर्बल के काम आना।bd।

तुम्हारी फितरत है श्याम ऐसी,
की दीन दुर्बल के काम आना,
दुखो से लड़कर जो गिर पड़े है,
सहारा देकर उन्हें उठाना,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तुम्हारी फितरत हैं श्याम ऐसी,
की दीन दुर्बल के काम आना।bd।

Singer – Mukesh Kumar Meena

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com